केन्द्रीय विद्यालय संगठन, बेंगलूरु संभाग

पूर्व बोर्ड परीक्षा 2024-25

कक्षा: बारहवीं(XII) **अधिकतम अंक: 80**

विषय: हिन्दी आधार(कोड-302) **निर्धारित समय- 3 घंटे**

सामान्य निर्देश:

निम्नालिखित निर्देशों का सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए

- **कृपया जांच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 8 मुद्रित पृष्ठ हैं ओर 12 प्रश्न हैं |**
- **यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।**
- **खंड- क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**
- **खंड- ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।**
- **खंड- ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।**
- **तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**
- **यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।**

	खंड 'अ' (अपठित गद्यांश)	
1.	**निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिये:-** आज से लगभग छः सौ साल पूर्व संत कबीर ने सांप्रदायिकता की जिस समस्या की ओर ध्यान दिलाया था, वह आज भी प्रसुप्त ज्वालामुखी की भाँति भयंकर बनकर देश के वातावरण को विदग्ध करती रहती है। देश का यह बड़ा दुर्भाग्य है कि यहाँ जाति, धर्म, भाषागत ईर्ष्या, द्वेष, बैर-विरोध की भावना समय-असमय भयंकर ज्वालामुखी के रूप में भड़क उठती है। दस-बीस हताहत होते हैं, लाखों-करोड़ों की संपत्ति नष्ट हो जाती है। भय, त्रास और अशांति का प्रकोप होता है। विकास की गति अवरुद्ध हो जाती है। कबीर हिंदू-मुसलमान में, जाति-जाति में शारीरिक दृष्टि से कोई भेद नहीं मानते। भेद केवल विचारों और भावों का है। इन विचारों और भावों के भेद को बल धार्मिक कट्टरता और सांप्रदायिकता से मिलता है। हृदय की चरमानुभूति की दशा में राम और रहीम में कोई अंतर नहीं। अंतर केवल उन माध्यमों में है जिनके द्वारा वहाँ तक पहुँचने का प्रयत्न किया जाता है। इसलिए कबीर साहब ने उन माध्यमों- पूजा, नमाज, व्रत, रोजा आदि के दिखावे का विरोध किया। समाज में एकरूपता तभी संभव है, जबकि जाति, वर्ण, वर्ग, भेद न्यून से न्यून हों। संतों ने मंदिर-मस्जिद,	**10**

	जाति-पाति के भेद में विश्वास नहीं रखा। सदाचार ही संतों के लिए महत्त्वपूर्ण है। कबीर ने समाज में व्याप्त बाह्याडंबरों का कड़ा विरोध किया और समाज में एकता, समानता तथा धर्म निरपेक्षता की भावनाओं का प्रचार-प्रसार किया।	
(i)	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - I. आज साम्प्रदायिकता प्रसुप्त ज्वालामुखी की भाँति भयंकर बनकर देश के वातावरण को विदग्ध नहीं करती है। Il.कबीर हिंदू-मुसलमान में, जाति-जाति में शारीरिक दृष्टि से कोई भेद नहीं मानते। lll. कबीर ने समाज में एकता, समानता तथा धर्मनिरपेक्षता की भावनाओं का प्रचार-प्रसार किया। उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही हैं ? क. केवल I. ख. केवल II. ग. केवल I. और II. घ. II. और III.	1
(ii)	संतो के लिए सदैव महत्त्वपूर्ण रहा है - क. बाह्य आडम्बर ख. सदाचार ग. साम्प्रदायिकता घ. धर्म-सापेक्षता	1
(iii)	कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए- कथन (A): सांप्रदायिकता उस प्रसुप्त ज्वालामुखी की भाँति हैं जो समय-असमय भड़क जाती है। कारण (R): जिससे विस्फोट से भय, त्रास और अशांति का प्रकोप होता है और विकास की गति अवरुद्ध हो जाती है। विकल्प क. कथन (A) गलत है, किंतु कारण सही है। ख. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं। ग. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है। घ. (घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।	1
(iv)	गद्यांश के एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1
(v)	किस समस्या को ज्वालामुखी कहा गया है और क्यों ?	2
(vi)	समाज में एकरूपता कैसे लाई जा सकती है	2
(vii)	कबीर ने किन माध्यमों का विरोध किया और क्यों?	2
2.	**निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिये:-**	
	अचल खड़े रहते जो ऊंचा शीश उठाए तूफानों में,	**(08)**

	सहनशीलता दृढ़ता हँसती जिनके यौवन के प्राणों में । वही पंथ बाधा को तोड़े बहते हैं जैसे हो निर्झर, प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर । आज देश की भावी आशा बनी तुम्हारी ही तरुणाई, नए जन्म की श्वास तुम्हारे अंदर जगकर है लहराई । आज विगत युग के पतझर पर तुमको नव मधुमास खिलाना, नवयुग के पृष्ठों पर तुमको है नूतन इतिहास लिखाना । उठो राष्ट्र के नवयौवन तुम दिशा-दिशा का सुन आमंत्रण, जगो, देश के प्राण जगा दो नए प्रात: का नया जागरण । आज विश्व को दिखला दो हममें भी जागी तरुणाई, नई किरण की नई चेतना में हमने भी ली अंगड़ाई ।	
(i)	उपर्युक्त काव्यांश का वर्ण्य विषय क्या है? क. राष्ट्र का नव निर्माण ख. प्राकृतिक सुषमा ग. नव जागरण घ. उपर्युक्त सभी	1
(ii)	कवि नवयुवकों का आह्वान कर रहा है? क. त्यागी बनने के लिए ख. बलिदान देने के लिए ग. पलायनवादी बनने का लिए घ. देश के नवयुग निर्माण हेतु	1
(iii)	नव जागरण को बाह्य न कहकर आंतरिक गुण क्यों कहा है? क. यह लगन व पक्की धुन है ख. यह भाव स्वतः हृदय से जागृत होता है ग. यह आंतरिक चेतना है घ. उपर्युक्त सभी	1
(iv)	ऊंचा शीश उठाने वाले कौन होते हैं?	1
(v)	नवयुग के पृष्ठों पर क्या लिखना होता है?	2
(vi)	नए प्रात: का नया जागरण क्या हो सकता है?	2
	खंड-ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न)	

3.	**निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :-** 1. पर्यावरण संरक्षण 2. डिजिटल शिक्षा के लाभ 3. रेलगाड़ी के बिना दुनिया	**1x6=6**
4.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं चार प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए:-**	**4x2=8**
	क. समाचार लेखन की उचित और लोकप्रिय शैली कोंन सी है ओर क्यों ? ख. रटंत ज्ञान क्या है ? ग. विशेष लेखन और विशेष संवाददाता का अंतर समझाइए | घ. अंशकालिक पत्रकार से आप क्या समझते हैं? ङ. रेडियो नाटक के कौन-कौन से तत्त्व होते हैं? स्पष्ट करें|	
5.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर <u>किन्हीं दो प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 80 शब्दों में दीजिए:-**	**2x4=8**
	क. कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है? ख. साक्षात्कार लिखते समय ध्यान रखने योग्य बातों पर प्रकाश डालिए | अपने क्षेत्र के विधायक से साक्षात्कार के लिए आप क्या तैयारी करेंगे? एक काल्पनिक तीन प्रश्नावली भी बनाइए। ग. जब आप नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेख लिखते हैं तब आनेवाली कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए और उनके निवारण का सुझाव दीजिए |	
	खंड-ग (आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)	
6.	**निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए:-**	**5x1=5**
	आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था जोर जबरदस्ती से बात की चूड़ी मर गई और वह भाषा में बेकार घूमने लगी! हार कर मैंने उसे कील की तरह उसी जगह ठोंक दिया। ऊपर से ठीक ठाक पर अंदर से	

	न तो उसमें कसाव था न ताकत! बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह मुझसे खेल रही थी, मुझे पसीना पोंछते देखकर पूछा- "क्या तुमने भाषा को सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा?"	
(i)	**बात कवि के साथ किसके समान खेल रही थी?** क. पेंच के समान ख. कील के समान ग. बच्चे के समान घ. खिलौने के समान	
(ii)	**'बात की चूड़ी मर जाना' से कवि का तात्पर्य है-** क. बात का प्रभावहीन हो जाना ख. बात का सहज और स्पष्ट हो जाना ग. बात में कसावट आ जाना घ. उपर्युक्त में से कोई नहीं	
(iii)	**बनावटी एवं आडंबरयुक्त भाषा के प्रयोग से बात कैसी हो गई?** क. प्रभावहीन ख. उद्देश्यहीन ग. अर्थहीन घ. उपर्युक्त सभी	
(iv)	**भाषा को सहूलियत से बरतने से क्या तात्पर्य है?** क. भाव के अनुरूप सहज एवं सरल शब्दों का प्रयोग करना ख. भावाभिव्यक्ति के लिए अनावश्यक आडंबरयुक्त शब्दों के प्रयोग से बचना ग. अनावश्यक पांडित्य प्रदर्शन से बचना घ. उपर्युक्त सभी	
(v)	**अभिकथन(A)- बात और भाषा एक दूसरे से जुड़े रहते हैं|** **कारण(R)- हमें अनावश्यक पांडित्य प्रदर्शन से बचना चाहिए|** क. अभिकथन(A) सही है जबकि कारण(R) गलत है| ख. अभिकथन(A) गलत है जबकि कारण(R) सही है| ग. अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है R, A की व्याख्या करता है| घ. अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है R, Aकी व्याख्या नहीं करता है|	

7.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :-**	**2x3=6**
	क. 'किशोर और युवा वर्ग समाज के मार्गदर्शक हैं।' 'पतंग' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। ख. कैमरे में बंद अपाहिज कविता मीडिया की संवेदनहीनता प्रकट करती है, कैसे? ग. स्त्रियों के प्रति तुलसी युग का दृष्टिकोण कैसा था ?	
8.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :-**	**2x2=4**
	क. बादल राग कविता में कवि बादल को किस रूप में बुलाता है, और क्यों? ख. 'बगुलों के पंख' कविता के आधार पर उस सौन्दर्य का वर्णन कीजिए जिसने कवि के मन को मोह लिया? ग. 'दिन जल्दी जल्दी ढलता है' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए|	
9.	**निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए:-**	**5x1=5**
	'समता' का औचित्य यहीं पर समाप्त नहीं होता । उसका और भी आधार उपलब्ध है । एक राजनीतिज्ञ पुरुष का बहुत बड़ी जनसंख्या से पाला पड़ता है । अपनी जनता से व्यवहार करते समय, राजनीतिज्ञ के पास न तो इतना समय होता है न प्रत्येक के विषय में इतनी जानकारी ही होती है, जिससे वह सबकी अलग-अलग आवश्यकताओं तथा क्षमताओं के आधार पर वांछित अलग-अलग व्यवहार कर सके । वैसे भी आवश्यकताओं व क्षमताओं के आधार पर भिन्न व्यवहार कितना भी आवश्यक व औचित्यपूर्ण क्यों न हो, 'मानवता' के दृष्टिकोण से समाज दो वर्गों व श्रेणियों में नहीं बाँटा जा सकता । ऐसी स्थिति में, राजनीतिज्ञ का अपने व्यवहार में एक व्यवहार्य सिद्धांत की आवश्यकता रहती है और यह व्यवहार्य सिद्धांत यही होता है, कि सब मनुष्यों के साथ समान व्यवहार किया जाए। राजनीतिज्ञ यह व्यवहार इसलिए नहीं करता कि सब लोग समान होते, बल्कि इसलिए कि वर्गीकरण एवं श्रेणीकरण सम्भव होता ।'	
(i)	**किस पुरुष का बहुत बड़ी जनसंख्या से पाला पड़ता है?** क. राजनीतिक पुरुष का ख. सामाजिक पुरुष का ग. आर्थिक पुरुष का घ. शिक्षित पुरुष का	
(ii)	**समाज को किस आधार पर दो वर्गों और श्रेणियों में बाँटना अनुचित है?**	

	क. आर्थिक आधार पर ख. मानवता के आधार पर ग. सामाजिक आधार पर घ. राजनीतिक आधार पर	
(iii)	**'समता' राजनीतिज्ञ के व्यवहार की एकमात्र क्या है?** क. पूँजी ख. चाल ग. राजनीति घ. कसौटी	
(iv)	**बाबा साहेब आंबेडकर ने किस प्रकार के समाज की कल्पना की है?** क. स्वतंत्र समाज की ख. समान समाज की ग. आदर्श समाज की घ. गतिशील समाज की	
(v)	**व्यवहार्य सिदांत के अनुसार राजनीतिज्ञ को-** क. सब मनुष्यों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए । ख. सब मनुष्यों के साथ उनकी क्षमताओं के आधार पर व्यवहार करना चाहिए । ग. सब मनुष्यों के साथ उनकी आवश्यकताओं के आधार पर व्यवहार करना चाहिए । घ. सब मनुष्यों के साथ भिन्न व्यवहार करना चाहिए ।	
10.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :-**	**2x3=6**
	क. भक्तिन की बेटी पर पंचायत द्वारा जबरन पति थोपा जाना किस सामाजिक समस्या की ओर संकेत करता है? 'भक्तिन' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए। ख. इंदर सेना के बारे में लेखक और जीजी की राय में क्या अंतर था? आप किसके विचारों से सहमत हैं? ग. कला की प्रासंगिकता व्यवस्था की मुखापेक्षी है अथवा उसका कोई स्वतंत्र मूल्य भी है? कथन की कहानी 'पहलवान की ढोलक' के आधार पर समीक्षा कीजिए।	
11.	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :-**	**2x2=4**
	क. जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्व निर्धारण करती है। इस कथन को 'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' नामक पाठ के आधार पर बताइए ।	

	ख. लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों माना है? 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए। ग. बाज़ार किसी का लिंग ,जाति ,धर्म या क्षेत्र नहीं देखता। वह देखता है सिर्फ़ उसकी क्रय -शक्ति को। इस रूप में वह एक प्रकार से सामाजिक समता की भी रचना कर रहा है। आप इससे कहाँ तक सहमत है ?	
12	**निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए :-**	**2x5 = 10**
	क. 'सिल्वर वेडिंग 'के आधार पर उन जीवन मूल्यों पर विचार कीजिए, जो यशोधर बाबू को किशन दा से उत्तराधिकार में मिले? आप उनमें से किन्हें अपनाना चाहते हैं? ख. 'जूझ' कहानी के शीर्षक का औचित्य स्पष्ट कीजिए। ग. नदी, कुएँ, स्नानघर और बेजोड़ निकासी व्यवस्था को देखते हुए लेखक पाठकों से प्रश्न पूछता है कि क्या हम सिंधु घाटी सभ्यता को जल- संस्कृति कह सकते हैं? आपका जवाब लेखक के पक्ष में है या विपक्ष में? तर्क दीजिए।	

****